वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 271 | गुरुवार 26 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

याद रखेंगे वीरो तुमको हरदम, यह बलिदान तुम्हारा है, हमको तो है जान से प्यारा यह गणतंत्र हमारा है।

प्रदेश में घना कोहरा-बारिश, फ्लाइट्स रोकीं

20 से ज्यादा जिलों में बरसात का अलर्ट; कड़ाके की ठंड, 6 डिग्री गिरा पारा

पूर्वी राजस्थान के हिस्सों में हुई मावठ के बाद आज कई शहर कोहरे में लिपटे नजर आए। जयपुर, भरतपुर, अलवर समेत कई शहरों में आज सुबह जबरदस्त कोहरा है। यहां विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर से भी कम रह गई। इसका असर फ्लाइट्स संचालन पर भी पड़ा है। अचानक बढ़ी सर्दी के कारण तापमान में भी 4-6 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिन भी तेज सर्दी का असर रहेगा और 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम केन्द्र जयपुर के अनुसार 27 जनवरी तक मौसम शुष्क रहने और 28 जनवरी को फिर से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, कोटा और अजमेर संभाग के जिलों में बारिश होने की संभावना है। कोहरे के कारण जयपुर से दिल्ली, आगरा और कोटा जाने वाले हाईवे पर गाड़ियों की स्पीड धीमी हो गई। लोगों को दिन में गाड़ियों की लाइट ऑन करके ड्राइविंग करनी पड़ी। वहीं, जयपुर एयरपोर्ट पर विजिबिजिटी 50 मीटर से भी कम होने के कारण जयपुर से कोलकाता और गोवा जाने वाली दो फ्लाइट्स की उड़ानों को रोका गया। इधर मुंबई और दुबई से आने वाली फ्लाइट्स की लैंडिंग भी नहीं हो सकी।

6 डिग्री सेल्सियस तक गिरा टेंपरेचर:

मौसम में हुए इस बदलाव से राज्य के कई शहरों में तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गए, जिससे सर्दी बढ़ गई। सीकर के फतेहपुर में कल न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था, जो आज गिरकर 4 पर पहुंच गया। इसी तरह जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, चूरू में भी आज न्यूनतम तापमान 2 से लेकर 6 सेल्सियस तक नीचे गिरकर सिंगल डिजिट में आ गए। बीकानेर में आज न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला गया। वहीं वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण देर शाम सीकर और बारां जिले में हल्की बारिश हुई। बारां के शाहबाद में कल 2टट बारिश हुई, जबकि सीकर शहर के आसपास के एरिया में भी 2टट पानी बरसा। मौसम विभाग ने धौलपुर, झालावाड़, बारां जिलों में कुछ स्थानों पर बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी या बारिश होने की संभावना जताई है वहीं कुछ क्षेत्र में कोहरे को लेकर अलर्ट है।

माउंट आबू -3 डिग्री पर पहुंचा

माउंट आबू में बुधवार को पारा -3 डिग्री पर पहुंचा। इससे पहले गत रविवार को शहर का तापमान माइनस 3 डिग्री पहुंचा था। सोम- मंगल को पारे में बढ़ोतरी हुई, ओर पारा 1 डिग्री पर रहा। बुधवार को न्यूनतम बारे में 4 डिग्री की गिरावट के साथ पारा -3 डिग्री पर पहुंच गया है। वहीं, अधिकतम तापमान की बात करें, तो अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है, जिससे तापमापी पारा 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। इस दौरान खुले मैदान, इलाकों, वाहनों की छत और पेड़ पौधों की पत्तियों पर बर्फ की परत दिखाई दी। लोग सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते नजर आए। वहीं, सुबह गुरु शिखर मार्ग, ओरिया मार्ग, अपर कोदरा मार्ग सहित गुरु शिखर सेल्फी प्वाइंट, पहाड़ियों पर कोहरा छाया रहा।

सीएम गहलोत की गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। गहलोत ने कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व संवैधानिक मूल्यों में लोगों की आस्था का प्रतीक है। गणतंत्र दिवस हमें देश के संविधान के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने ने कहा कि हमें समावेशी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा ताकि हमारे देश की गौरवशाली संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम की परम्परा बनी रहे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करते हुए सभी चुनौतियों का सामना करें तथा देश-प्रदेश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासी आपसी भाईचारा, सद्भाव और सौहार्द्र बनाए रखें जिससे हमारा देश-प्रदेश समृद्धि और खुशहाली की ओर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

गणतन्त्र दिवस पर राज्यपाल की शुभकामनाएं

जयपुर. कासं। राज्यपाल कलराज मिश्र ने 74 वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर देश और प्रदेशवासियों तथा शूरवीर सैनिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर विविधता में एकता की प्रतीक हमारी संस्कृति की रक्षा करने और प्रदेश की प्रगति के लिए साथ मिलकर कार्य करने का सभी प्रदेशवासियों से आह्वान किया है।

सूचना

शाबाश इंडिया कार्यालय में 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा। -सम्पादक

मतदाता दिवस व वार्षिकात्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर शिवपुरी स्थित जीएमएस क्लासेज में मतदाता दिवस व वार्षिकोत्सव मनाया आज धूमधाम से मनाया गया। संस्था प्रधान राहुल गोधा ने बताया कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर संस्था में पढ़ने वाले बच्चों व अभिभावकों को मतदान दिवस व मतदान का महत्त्व समझाया। इस मौके पर सभी ने मतदान करने का संकल्प लिया। इस दौरान बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर रंगारंग प्रस्तुति दी। सभी शिक्षकों ,अभिभावकों व छात्र छात्राओं ने राष्ट्र के प्रति ईमानदार रहने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्था प्रधान राहुल गोधा ने संस्था सदस्यों सुरेश, माधवी, रोहिणी, तनिषा,नमन,मेघा व अन्य का आभार जताया। इस अवसर पर संस्था के उत्कृष्ट व नियमित रहने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

ललितपुर में 28 जनवरी से शाही पंचकल्याणक गजरथ महा महोत्सव

पूरी निष्ठा से हजारों समर्पित कार्यकर्ता दे रहे महोत्सव को अंतिम रूप

ललितपुर. शाबाश इंडिया। जिले की सीमा पर स्थित अभिनन्दनोदय तीर्थ ललितपुर उत्तर प्रदेश में होने वाले श्री मद् जिनेन्द्र त्रिकाल चौबीस सहस्त्र कूट नंदीश्वर दीप पंचकज़ल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ व ग्यारह गजरथ महोत्सव शाही पंचकल्याणक का अति भव्य आयोजन 28 जनवरी से 5 फरवरी तक परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ प्रतिष्ठाचार्य-बा. ब्र. प्रदीप भइया सुयश अशोक नगर (म प्र) के प्रतिष्ठिचारित में गल्ला मंडी के पास ललितपुर उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। जैन युवा वर्ग के संरक्षक विजय धुर्रा ने बताया कि इस महामहोत्सव के लिए पाली मारवाड़ से विशाल सभा मंडप तैयार करने वाले हजारों लोग बंगाल के कारीगरों के साथ लगें हैं जो इस सभाग्रह को भव्य रूप देने में दिन रात एक कर रहे हैं। इस शाही पंचकल्याणक में सहस्त्रो प्रतिमाओं के साथ एक साथ दो त्रिकाल चौबीस की प्रतिष्ठा विश्व में पहली बार होने जा रही है।

सात दिवसीय सम्मेद शिखर जी की यात्रा पर रवाना हुए 1500 जैन यात्री

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गमेरलाल पूंजीबाई वेलावत चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सकल दिगम्बर जैन समाज के 1500 यात्रियों को लेकर स्पेशल ट्रेन बुधवार शाम 4 बजे उदयपुर सिटी स्टेशन से सम्मेद शिखरजी के लिए रवाना हुई। ट्रेन रवानगी से पूर्व उसे सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत ने हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उत्सवी माहौल के बीच सैकड़ों लोगों की चहल-पहल और उनके द्वारा लगाए गए जयकारों से पूरा रेलवे स्टेशन गूंज उठा। दोपहर से सिटी रेलवे स्टेशन पर सम्मेद शिखरजी जाने वाले यात्री और उनके परिजन पहुंचना शुरू हो गए। किसी का पूरा परिवार तो किसी के घर के बुजुर्ग दंपति सम्मेद शिखर जी की यात्रा के लिए स्टेशन पर पहुंचे। इन सभी को विदा करने और यात्रा की शुभकामनाएं देने के लिए सैकड़ों समाजजन स्टेशन पहुंचे। किसी ने गले मिलकर तो किसी ने पांवाधोग कर मंगलमयी सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दी। एक यात्री ने बताया कि वैसे तो तीर्थ यात्रा करना भाग्य की बात है लेकिन सम्मेद शिखरजी की यात्रा तो सौभाग्य की बात है। ऐसे में जो पहली बार सम्मेद शिखरजी की यात्रा करने जा रहे थे उनकी खुशी का तो ठिकाना ही नहीं था। हरी झंडी दिखाने के बाद सभी यात्री व्यवस्थित रूप से ट्रेन में अपनी-अपनी बोगी में सवार हुए। किसी ने जयकारा लगाकर तो किसी ने भगवान के भजनों से सारे स्टेशन को गुंजायमान कर दिया। हंसी खुशी और भक्तिमयी माहौल में ट्रेन रवाना हुई। मुख्य संयोजक अशोक शाह ने बताया कि झारखण्ड स्थित सम्मेदशिखर में अन्तर्मना आचार्य प्रसन्नसागर महाराज का विगत 557 दिन से चल रही महासाधना का पारणा महोत्सव 27 जनवरी से 3 फरवरी तक महासाधना पारणा एवं महाप्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देशभर से हजारों श्रृद्धालु भाग लेंगे। बता दें, इस यात्रा में उन लोगों को भी शामिल किया गया जो स्वयं अकेले दम सफर नहीं कर सकते थे। इस अवसर पर महावीर युवा मंच के राजकुमार फत्तावत, भाजपा जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली भी मौजूद थे।

रिपोर्टः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

आचार्य सुनील सागर महाराज, उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज सहित साधु संतों से लिया आशीर्वाद

अंन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के महापारणा महोत्सव मे होंगे शामिल

जयपुर. शाबाश इंडिया

साधना के शिखर पुरुष 557 दिवसीय सिंहनिष्क्रीडित व्रत के साधक साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की कठोरतम महासाधना उपरांत सम्मेद शिखर जी में अभूतपूर्व महापारणा महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव में शामिल होने हेतु जयपुर से स्पेशल ट्रेन द्वारा जाने वाले 1100 यात्रियों के दल में श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर द्वारा 301 समाज के निर्धन व असक्षम समाज

बन्धुओं को निः शुल्क यात्रा करवाई जाएगी। संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन के नेतृत्व में बुधवार को जयपुर में विराजित जैन संतों से पदयात्रा संघ के पदाधिकारियों ने स्पेशल ट्रेन यात्रा के लिए आशीर्वाद लिया। इस मौके पर संतों के सानिध्य में यात्रा के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन भी किया गया। यात्रा के संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि संरक्षक सुभाष चन्द जैन, मुख्य संयोजक शैलेन्द्र शाह'चीकू' एवं रेलवे समन्वयक आर.के.जैन के नेतृत्व में जाने वाली इस स्पेशल ट्रेन यात्रा को जयपुर शहर सासंद राम चरण बोहरा व समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे। इससे पूर्व बुधवार को पदयात्रा संघ के पदाधिकारियों ने सांगानेर के दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी में भगवान आदिनाथ के दर्शन पश्चात वहां विराजमान आचार्य सुनील सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ से तथा प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका भरतेश्वरमति माताजी ससंघ से श्रीफल भेंट कर ट्रेन यात्रा के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि स्पेशल ट्रेन यात्रा दल गुरुवार,26 जनवरी को जयपुर जंक्शन से दोपहर में 1.00 बजे रवाना होकर अगले दिन शुक्रवार,27 जनवरी को दोपहर में पारसनाथ स्टेशन पहुंचेंगा जहां से बसों द्वारा मधुबन सम्मेद शिखरजी जाएंगे। शनिवार 28 जनवरी को अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के महाराणा महाप्रतिष्ठा महामहोत्सव में शामिल होंगे। शनिवार की रात्रि में 2.00 बजे पर्वत वन्दना के लिए सामूहिक रूप से रवाना होंगे। रविवार,29 जनवरी को दोपहर बाद नीचे उतर कर आरती, भक्ति संध्या व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। सोमवार,30जनवरी को तलहटी के मंदिरों के दर्शन लाभ लेंगे।

विमलनाथ का जन्म तप कल्याण मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन नसिया कीर्ति स्तम्भ खोर दरवाजा आमेर में मूलनायक भगवान विमलनाथ की वेदी के समक्ष आज प्रातः अभिषेक व पूजन का कार्यक्रम नेमीनाथ सांवला ट्रस्ट आमेर के तत्वावधान में मनाया गया । इस अवसर पर नेमीनाथ सांवला ट्रस्ट के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल, पूर्व अध्यक्ष नरेश कुमार सेठी, मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, मन्दिर व्यवस्था समिति के सदस्य प्रदीप कुमार जैन, डा. राजेन्द्र कुमार जैन, प्रदीप ठोलिया, दिगम्बर जैन महासमिति पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल संघी व मंत्री राजेश बडजात्या, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र मोदी ने पूजन में गरिमामयी उपस्थिति थी। इस नसियां की व्यवस्था प्रबन्धकारिणी कमेटी दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी द्वारा की जाती है।

आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य मे

भव्य श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में तप कल्याणक की क्रियाएं हुई

मदनगंज किशनगढ़. शाबाश इंडिया

आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में मदनगंज किशनगढ़ में चल रहे भव्य श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव में आज प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांति धारा बाद अष्टद्रव्यों से पूजा हुई जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने उक्त कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा कि श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन पंचायत व सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महा महोत्सव के अवसर पर बुधवार को कार्यक्रम में चौथे दिन चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई, कार्यक्रम में पांच हाथी और 8 बग्गियों में विमल कुमार, महेन्द्रकुमार, समर्थ कुमार पाटनी उरसेवा वालों का परिवार सवार होकर रवाना हुआ। बैड की मधुर ध्वनियों के बीच निकली यात्रा के दौरान जैन समाज के लोगों ने नृत्य करते हुए खुशियां मनाई। चक्रवर्ती परिवार का जगह-जगह जैन समाज के लोगों ने श्रीफल भेंटकर अभिनंदन किया। यात्रा सिटी रोड, पुरानी मिल तिराहे, जयपुर रोड होते हुए क्रिस्टल पार्क स्थित वर्धमान सभागार पहुंचा। वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य एवं गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी ससंघ की मौजूदगी में जयकारों के बीच

भगवान के माता-पिता ने संहितासूरी पंडित हंसमुख जैन धरियावद के मंत्रोच्चार के बीच तीर्थंकर बालक का राज्याभिषेक करवाया गया। बाद में वैराग्य दर्शन व तीर्थंकर महाराज का गृह त्याग का मंचन किया गया। कार्यकारिणी सदस्य मुकेश पाटनी एवं सुरेश बगड़ा ने बताया कि आचायश्री के सान्निध्य में दीक्षा विधि संस्कार, तपकल्याणक पूजा व हवन का आयोजन किया गया। दीक्षा के दौरान पांडाल में मौजूद हजारों जैन समाज के लोगों ने श्रीशांतिनाथ महामुनि एवं श्री चन्द्रप्रभ महामुनिराज व आचार्य वर्धमान सागर महाराज के जयकारों से गूंजा दिया। कार्यक्रम के दौरान श्रावक आदिश्वर ने दीक्षा हेतु आचार्यश्री को श्रीफल भेंट कर भावांजलि प्रस्तुत की। आचार्यश्री ने जेनेश्वरी दीक्षा शीघ्र ही किशनगढ़ में कराने का आशीर्वाद दिया।वात्सल्य वारिधि व राष्ट्र गौरव आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि संसार का सुख नश्वर है,वर्तमान में मनुष्य जन्म की खुशी मनाते है लेकिन यह भी अस्थाई है। वहीं संसार में मरण का दुख भी कुछ दिनों तक ही मनाया जाता है। वर्तमान में मनुष्य अर्थ पुरुषार्थ को प्राप्त करने में लगे हुए है लेकिन अर्थ पुरुषार्थ के बजाय धर्म पुरुषार्थ से ही मोक्ष संभव है। मनुष्य को धर्म को धारण करना चाहिए, शाश्वत सुख के लिए धर्म का साथ जरूरी है तभी आपका मानव जन्म सफल व सार्थक होगा। धर्म से मोक्ष प्राप्त होगा और कर्मों को नष्ट कर केवल ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए तीर्थंकर बनने के लिए धर्म पुरुषार्थ आवश्यक है।वर्धमान सभागार में आयोजित प्रवचन सभा में आचार्यश्री ने कहा कि जन्म कल्याणक इसलिए मनाया जाता है कि यह अंतिम जन्म तीर्थंकर बालक का था। उसके बाद दोबारा उनका जन्म नहीं होगा, दीक्षा लेंगे ज्ञान कल्याणक होगा और फिर उनका मोक्ष कल्याणक होगा। जन्म मरण के परिभ्रमण से मुक्त हो जायेगा।मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन पंचायत के उपाध्यक्ष दिलीप कासलीवाल व मंत्री सुभाष बड़जात्या ने बताया कि जन्मकल्याणक के तहत प्रतिष्ठाचार्य संहितासूरी हंसमुख जैन के निर्देशन में प्रातः जिनाभिषेक एवं नित्यार्जन और बाल क्रीडा का आयोजन किया गया। वर्धमान सभागार में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के मंचासीन होने के बाद चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन जतनचंद, हिमांशु कासलीवाल परिवार ने किया। पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। शास्त्र भेंट करने सौभाग्य छीतरमल, धर्मचंद, अशोककुमार, जयकुमार, लोकेश कुमार अजमेरा धांधोली वाले को मिला वही पाद प्रशालन करने का सौभाग्य अशोक कुमार नितेश कुमार विधान कुमार पाटनी ऊटड़ा वाले को प्राप्त हुआ।

वेद ज्ञान

जीवन चक्र चलता ही रहता है...

मनुष्य शिशु बनकर संसार में जन्म लेता है। जन्म के बाद उसे सांसारिक विषयों का ज्ञान होने लगता है। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करता हुआ आगे चलकर व्यवसाय अथवा नौकरी करने लगता है। समयानुसार उसका विवाह हो जाता है। इसके बाद बच्चे होते हैं। वे बच्चे बड़े हो जाते हैं, तब वह वृद्धावस्था की ओर धीरे-धीरे बढ़ते हुए अंत में एक दिन मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। फिर उन बच्चों के साथ भी यही क्रम चलता है और अपना जीवन क्रम पूरा करके संसार से विदा हो जाते हैं। तीसरी पीढ़ी, चौथी पीढ़ी और पांचवीं पीढ़ी इस प्रकार अंतहीन सिलसिला चलता ही रहता है। यह सब क्या है? हम कैसे इस चक्र में फंस गए हैं। यहां हमें स्वयं से प्रश्न करना आवश्यक है कि हम क्यों संसार में उत्पन्न होते हैं और मर जाते हैं? क्या इससे छूटने का कोई उपाय है। प्रथम यहां यह समझना होगा कि जन्म-मृत्यु का चक्र तो इसी प्रकार चलता रहेगा। संसार में पूर्व से ही इसी प्रकार से चलता चला आ रहा है। हां इस दुष्चक्र से निकलने का उपाय है। किसी ऐसे तत्वदर्शी संत जो पूर्ण परमात्मा के तत्व को जानने वाले हों, उनकी शरण में जाकर उनसे ज्ञान उपदेश लेकर परमेश्वर की सद्भक्ति करें तो सांसारिक चक्र से छूटकर अपने मूल निवास धाम को हम जा सकते हैं, जहां जाकर फिर इस संसार में नहीं लौटेंगे। सारा जन्म-मृत्यु का चक्र समाप्त हो जाएगा। 'गीता' के अनुसार ऐसा तत्वदर्शी सद्गुरु उलटे-लटके संसार रूपी वृक्ष के प्रत्येक भाग को जड़, तना, डाल, शाखा और पत्ते सहित सभी भागों को पूर्ण रूप से जानता हो। संसार रूपी वृक्ष के प्रत्येक भागों की ठीक-ठीक जानकारी रखने वाले ऐसे तत्वदर्शी पूर्ण गुरु के पास जाकर उस ज्ञान को जानने व समझने के लिए उन्हें भली-भांति दंडवत प्रणाम करने से, उनकी सेवा करने से और कपट छोड़कर सरलतापूर्वक प्रश्न करने से परमतत्व को भलीभांति जानने वाले गुरु का उपदेश उपयोगी होगा। गुरु आपको उस ज्ञान से परिपूर्ण करेंगे, जो पूर्ण रूप से गुप्त है। प्रचलित ज्ञान से वह तत्वज्ञान बिल्कुल अलग है। ऐसे तत्वदर्शी पूर्ण गुरु से ज्ञान उपदेश प्राप्त कर परमेश्वर की भक्ति कर मानव जीवन को सफल बनाकर मनुष्य इस भव सागर को पार कर उस अमर लोक को चला जाता है, जहां जाकर जन्म मृत्यु रूपी संसार में फिर वापस नहीं लौटकर आता।

संपादकीय

पहलवानों के तमाम आरोपों की जांच

अच्छी बात है कि धरने पर बैठे पहलवानों ने खेलमंत्री से बातचीत करने के बाद धरना उठा लिया। खेल मंत्रालय ने एक समिति गठित करने का वचन दिया है, जो पहलवानों के तमाम आरोपों की जांच करेगी और उसकी रिपोर्ट के मुताबिक उचित कार्रवाई की जाएगी। तब तक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संघ के कामकाज से अलग रहेंगे और जांच में पूरा सहयोग करेंगे। अगर कोई आरोप गलत साबित होता है, तो यह भी पता लगाया जाएगा कि उसके पीछे क्या वजहें थीं। दरअसल, अब यह मामला राजनीतिक रंग भी लेने लगा था। हालांकि खिलाड़ियों ने किसी राजनेता को अपने मंच का इस्तेमाल नहीं करने दिया, मगर धरना स्थल से बाहर विपक्षी दल खुल कर सत्तापक्ष पर हमलावर थे। करीब तीस अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पहलवान कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पर यह आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए थे कि खिलाड़ियों के साथ उनका व्यवहार अशोभन है और उन्होंने कई महिला खिलाड़ियों का यौन

शोषण किया है। कई प्रशिक्षक भी ऐसी गतिविधियों में शामिल हैं। पहलवानों की मांग थी कि अध्यक्ष को उनके पद से हटाया और कुश्ती महासंघ का पुनर्गठन किया जाए। पहलवानों के समर्थन में देश भर से दूसरे खेलों से जुड़े खिलाड़ी भी जुटने शुरू हो गए थे। खेल संघों के पदाधिकारियों और प्रशिक्षकों के आचरण को लेकर लगातार शिकायतें मिलती रही हैं। उनमें अनियमितताओं के भी गंभीर आरोप लगते रहे हैं। खासकर महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण को लेकर सख्त कार्रवाई की मांगें उठती रही हैं। कई मामलों में यह भी देखा जा चुका है कि प्रशिक्षक या किसी पदाधिकारी की यौन प्रताड़ना की शिकार खिलाड़ी ने खुदकुशी कर ली। इसलिए खेल संघों को साफ-सुथरा और सुरक्षित बनाने की मांग उठती रही है। ऐसे में जब कुश्ती महासंघ के खिलाफ इतने बड़े पैमाने पर खिलाड़ी उठ खड़े हुए और सभी ने एक स्वर में कहा कि उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया जा रहा, तो स्वाभाविक ही उससे गंभीर संदेश गया। हालांकि कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष खिलाड़ियों के इस विरोध के पीछे राजनीतिक शह बताने में जुटे हुए हैं, पर यह सवाल सबके मन में बना हुआ है कि आखिर इतने सारे खिलाड़ी अपना भविष्य दांव पर लगा कर क्यों किसी राजनीतिक दल के दबाव में विरोध पर उतरेंगे। यह साल उनके लिए काफी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि ओलंपिक के लिए चयन की प्रक्रिया शुरू होनी है। इस तरह खेल मंत्रालय के हस्तक्षेप से न केवल इस मामले को राजनीतिक रंग देने पर विराम लगा, बल्कि खिलाड़ियों का समय भी नष्ट होने से रह गया। अब दिल्ली में पहलवानों के धरने और उत्पीड़न के आरोपों के बाद फिलहाल खेल मंत्रालय ने कुश्ती संघ के सहायक सचिव विनोद तोमर को निलंबित कर दिया है। दरअसल, ऐसे आरोपों में अक्सर देखा जाता है कि जांच समितियों की सिफारिशें खिलाड़ियों के खिलाफ ही आती हैं। मगर इसमें चूंकि यौन शोषण का गंभीर आरोप शामिल है, इसलिए अगर उसकी जांच में किसी तरह का पक्षपात किया गया, तो खिलाड़ियों का मनोबल टूटेगा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत संदेश जाएगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हिरासत में मौत

किसी भी शिकायत के बाद अगर पुलिस आरोपी को हिरासत में लेती या गिरफ्तार करती है तो उससे आगे की समूची कार्रवाई के लिए बाकायदा कानूनी प्रक्रिया निर्धारित है। इसमें आरोपी के खिलाफ हिंसा करना या उसे इस हद तक यातना देना कि उसकी मौत हो जाए, किसी भी हाल में स्वीकार्य व्यवस्था नहीं है।यह एक तरह से कोई आरोप या अपराध साबित हुए बिना ऐसी सजा होती है, जो कानूनी कसौटी पर मिलने वाली मौत की सजा के समांतर होती है। निश्चित तौर पर यह एक तरह से अपराध ही है, लेकिन लंबे समय से इस चलन पर सवाल उठने और यहां तक कि अदालतों की ओर से भी नाराजगी जताए जाने के बावजूद आज भी इसे पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं हुआ है। अब एक बार फिर इस मसले पर बंबई उच्च न्यायालय ने कहा है कि हिरासत में मौत सभ्य समाज में सबसे खराब अपराधों में से एक है और अधिकारों की आड़ में पुलिस नागरिकों को अमानवीय तरीके से प्रताड़ित नहीं कर सकती। गौरतलब है कि महज ट्रैक्टर पर तेज आवाज में संगीत बजाने के आरोप में महाराष्ट्र के सोलापुर में दो पुलिसकर्मियों ने एक युवक को इतनी बर्बरता से मारा-पीटा कि आखिर उसकी मौत हो गई। इसी मामले में मुंबई हाई कोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने महाराष्ट्र सरकार को यह निर्देश दिया कि वह पुलिस हिरासत में मारे गए युवक की मां को मुआवजे के तौर पर पंद्रह लाख रुपए भुगतान करे। अदालत के फैसले से स्पष्ट है कि किस तरह बिना किसी बड़ी वजह के युवक को पुलिसकर्मियों ने न सिर्फ पकड़ा, बल्कि उसकी जान तक ले ली। सवाल है कि पुलिसकर्मियों को इस कदर बेलगाम बर्ताव करने की इजाजत किसने दी या फिर उनके भीतर यह सब करके सुरक्षित रहने का भाव कहां से आया? अव्वल तो अगर युवक तेज आवाज में संगीत बजा कर कुछ गलत कर रहा था तो उसे कानून के दायरे में रह कर रोका जा सकता था। मगर सिर्फ इतने भर के लिए उसकी जान ले लेने तक यातना देने की छूट किस कानून के तहत मिलती है? इस मसले पर अदालत ने भी कहा कि पुलिस के पास लोगों की गतिविधियों और अपराध को नियंत्रित करने की शक्ति है, मगर यह अबाध नहीं है और उसकी आड़ में पुलिसकर्मी किसी नागरिक के खिलाफ अमानवीय तरीके से व्यवहार नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट 1996 में ही स्पष्ट कर चुका है कि हिरासत में हुई मौत कानून के शासन में सबसे जघन्य अपराध है। तब शीर्ष अदालत ने किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस के व्यवहार को लेकर नियम भी निर्धारित कर दिए थे। मगर उसके बाद तस्वीर कितनी बदली है, यह आए दिन पुलिस हिरासत में होने वाली हिंसा और मौत की घटनाओं से पता चलता है। इसे किसी भी हाल में सामान्य नहीं माना जा सकता। ऐसे मामलों में कायदे से आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। मगर आमतौर पर होता यह है कि पीड़ित व्यक्ति या उसके परिजन को मुआवजा देकर मामले में न्याय हुआ मान लिया जाता है। सच यह है कि हमारे देश की पुलिस-व्यवस्था में तत्काल बड़े सुधार और पुलिसकर्मियों को कानूनी दायरे और संवेदनशील व्यवहार को लेकर पर्याप्त स्तर तक प्रशिक्षित करने की जरूरत है। चिंताजनक है कि हर साल देश भर में सैकड़ों लोग हिरासत में पुलिस हिंसा के शिकार होते हैं, जिनमें से बहुतों की जान चली जाती है।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर

हर्षोल्लास के साथ मनाया आचार्य पदारोहण दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में आचार्यश्री 108 सुनील सागर जी महाराज का 17वां आचार्य पदारोहण दिवस बड़ी धूमधाम से व भक्ति के साथ मनाया गया। आयोजन में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रारंभ में सर्वप्रथम देवाधिदेव सांगानेर बालिका छात्रावास की नृत्यभरी प्रस्तुति के साथ मंगलाचरण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर दिगम्बर जैन श्रेष्ठी प्रेमचन्द, महावीर, सुरेन्द्र,नरेन्द्र,महेन्द्र बज, रिखबचन्द, सुरेन्द्र,नरेन्द्र पाड्या, ज्ञानचन्द, अशोक संघाणी, सुरेश सुशीला कासलीवाल, आशीष कासलीवाल, पंकज प्रमोद पाटौदी, राजेन्द्र शोभित गंगवाल,

वाले बाबा का मस्तकाभिषेक व शान्तिधारा हुई। इसके बाद कमेटी की ओर से आचार्यश्री को मंच तक लाने के लिए श्रीफल भेंट किया गया और बालिका छात्रावास की बालिकाओं ने बेंडवादन से आचार्यश्री का भव्य आगमन हुआ। पांडाल में रेम्प पर 17 थालियों में आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन सभी इन्द्र इन्द्राणियों किए। इसके बाद संत सुधा सागर ताराचन्द उषाजी जैन नेवटा, टीकम मंडावरी वाले, सुरेश आवड़ा वाले,चेतन अजमेर वाले, गजेन्द्र, प्रवीण, विकास बड़जात्या वैशाली नगर, प्रबन्ध कारिणी कमेटी मन्दिर संघीजी परिवार सांगानेर ने भक्ति भाव के साथ नृत्य करते हुए आचार्य श्री को शास्त्र भेंट कर और पूजा की और महाअर्घ समर्पित किया। इस मौके पर संघ के मुनियों- आर्यिकाओं ने आचार्यश्री का गुणगान किया। जिसमें आचार्य श्री शंशाक सागरजी महाराज ने कहा कि आचार्यश्री तीर्थंकर बने और उनके समोशरण में मैं गणधर बन कर उनकी वाणी को झेलता रहूं। इस मौके पर आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज ने जीवन को गुरु का चमत्कार बताते हुए कहा कि किस प्रकार आचार्य सन्मति सागर जी ने हमें यह पद दिया और धर्मप्रभावना के लिए प्रेरित किया। उन्होने कहा कि - केवल सोचने से नहीं गिरते फूल झोली में, पुरुषार्थ की शाखा को हिलाना होगा। कुछ नही होगा अंधेरे को कोसने से, दीपक आपको जलाना होगा।। कल क्या होगा इसके बारे में ज्यादा मत सोचो आप अपना कर्तव्य करते रहों। अनुशासन में रहो गुरू बंधनों को स्वीकार करो। आपका कल्याण होगा। कार्यक्रम का संचालन कमेटी सदस्य नरेन्द्र पांड्या व इन्दिरा बड़जात्या ने किया। मानदमंत्री सुरेश कासलीवाल ने आचार्यश्री संघ के प्रवास से सांगानेर धन्य हुआ की भावना व्यक्त करते हुए सभी श्रेष्ठियों एवं उपस्थित जन समुदाय का भी आभार व्यक्त किया।

गणतंत्र दिवस पर विशेष

दुनिया का पहला गणराज्य था प्राचीन भारत का वैशाली

डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

(आज जो हम हर बात में प्रजातंत्र और लोकतंत्र की बात करते हैं उसे सबसे पहले दुनिया को बिहार ने दिया था। बिहार के वैशाली को दुनिया में पहला गणराज्य माना जाता है। वैशाली का लिच्छवी गणराज्य विश्व का प्रथम गणतंत्र माना जाता है। यह आठ छोटे-छोटे राज्यों का संघ था और यहां सारे बड़े फैसले सामूहिक रूप से लिए जाते थे।)

गणतंत्र दिवस हमारी प्राचीन संस्कृति का गरिमा का गौरव दिवस है। भारत आज लोकतंत्र की मशाल जलाते हुए दुनिया में आशा-उमंग, शांति के आकर्षण का केंद्र बिंदु बन गया है। 15 अगस्त 1947 को देश अंग्रेजों से आजाद हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत देश एक लोकतांत्रिक, संप्रभु तथा गणतंत्र देश घोषित किया गया। अंग्रेजों से स्वतंत्रता के बाद भले ही हम 74 वां गणतंत्र दिवस मना रहे हों लेकिन गणतंत्र की लोकतांत्रिक व्यवस्था का जनक भारत ही है। 'गणतंत्र' एक ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्था का जनक भारत ही है। इसकी शुरूआत भारत के बिहार राज्य के वैशाली से हुई है। उन दिनों ये प्रांत वैशाली गणराज्य के नाम से जाना जाता था। प्राचीन लोकतांत्रिक व्यवस्था के अवशेष आज भी भारत में मौजूद है। भारत यूरोप या फिर अमेरिका सब वैसी ही प्रणाली मानते हैं जैसी आज से 2600 साल पहले वैशाली में शुरू हुई थी। आज लोकतांत्रिक देशों में उच्च सदन और निम्न सदन की जो प्रणाली है वह भी वैशाली गणराज्य में थी। प्राचीन भारत में सबसे पहला गणराज्य वैशाली था। ऐतिहासिक प्रमाणों के मुताबिक, वैशाली में ही दुनिया का पहला गणराज्य स्थापित हुआ। वैशाली को कुछ इतिहासकार गणतंत्र का 'मक्का' भी कहते हैं। वैशाली की भूमि न केवल ऐतिहासिक रूप से समृद्ध है वरन कला और संस्कृति के दृष्टिकोण से भी काफी धनी है। वैशाली जिला के चेचर (श्वेतपुर) से प्राप्त मूर्तियाँ तथा सिक्के पुरातात्विक महत्त्व के हैं। वैशाली अपने हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर ने वैशाली के संबंध में लिखा है...

वैशाली जन का प्रतिपालक, विश्व का आदि विधाता,
जिसे ढूंढता विश्व आज, उस प्रजातंत्र की माता॥
रुको एक क्षण पथिक,इस मिट्टी पे शीश नवाओ,
राज सिद्धियों की समाधि पर फूल चढ़ाते जाओ।

भगवान महावीर की जन्म स्थली होने के कारण जैन धर्म के मतावलम्बियों के लिए वैशाली एक पवित्र स्थल है। भगवान बुद्ध का इस धरती पर तीन बार आगमन हुआ, यह उनकी कर्म भूमि भी थी। महात्मा बुद्ध के समय सोलह महाजनपदों में वैशाली का स्थान मगध के समान महत्त्वपूर्ण था। अतिमहत्त्वपूर्ण बौद्ध एवं जैन स्थल होने के अलावा यह जगह पौराणिक हिन्दू तीर्थ एवं पाटलीपुत्र जैसे ऐतिहासिक स्थल के निकट है। वैशाली को भारतीय दरबारी आम्रपाली की भूमि के रूप में भी जाना जाता है। बौद्ध तथा जैन धर्मों के अनुयायियों के अलावा ऐतिहासिक पर्यटन में दिलचस्पी रखने वाले लोगों के लिए भी वैशाली महत्त्वपूर्ण है। आज लोकतांत्रिक देशों में उच्च सदन और निम्न सदन की जो प्रणाली है, वह भी वैशाली गणराज्य में थी। वहां उस समय छोटी-छोटी समितियां थीं, जो जनता के लिए नियम और नीतियां बनाती थीं। वैशाली वज्जी

महाजनपद की राजधानी थी। वैशाली में गणतंत्र की स्थापना लिच्छवियों ने की थी। लिच्छवियों ने वैशाली गणराज्य इसलिए स्थापित किया था, ताकि बाहरी आक्रमणकारियों से बचा जा सके। कालांतर में वैशाली एक शक्तिशाली राज्य के रूप में उभरा और वहां एक नई प्रणाली विकसित हुई, जिसे हम गणतंत्र कहते हैं। इसे ही दुनिया के ज्यादातर देशों ने अपनाया। आज भारत हो या यूरोप या फिर अमेरिका, सब वैसी ही प्रणाली को मानते हैं, जैसी आज से 2500 साल पहले वैशाली में शुरू हुई थी। आज के गणराज्य में और वैशाली के गणराज्य में बहुत से फर्क हैं, पर मेन आइडिया वहीं से लिया गया था. वैशाली गणराज्य को नियंत्रित करने के लिए कुछ समितियां बनाई गई थीं, जो हर तरह के कामों पर बारीकी से नजर रखती थीं. ये समितियां समय के हिसाब से गणराज्य की नितियों में तब्दीली लाती थीं, जो काम आज के समय में किसी लोकतांत्रिक देशों में जनता के द्वारा चुने गए सांसद करते हैं।

प्राचीन गणतंत्र ''वैशाली'' और महावीर स्वामी

विश्व को सर्वप्रथम गणतंत्र का पाठ पढ़ने वाला स्थान वैशाली ही है। आज वैश्विक स्तर पर जिस लोकतंत्र को अपनाया जा रहा है वह यहां के लिच्छवी शासकों की ही देन है। लगभग छठी शताब्दी ईसा पूर्व नेपाल की तराई से लेकर गंगा के बीच फैली भूमि पर वज्जियों तथा लिच्छवियों के संघ (अष्टकुल) द्वारा गणतांत्रिक शासन व्यवस्था की शुरूआत की गयी थी। यहां का शासक जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चुना जाता था। दरअसल वैशाली नगर वज्जी महाजनपद की राजधानी थी। महाजनपद का मतलब प्राचीन भारत के शक्तिशाली राज्यों में से एक होता था। ये क्षेत्र प्रभावशाली था अपने गणतांत्रिक मूल्यों की वजह से। वैशाली गणराज्य को लिच्छवियों ने खड़ा किया था। ऐतिहासिक साहित्य से ज्ञात होता है कि भगवान महावीर के काल में अनेक गणराज्य थे। तिरहुत से लेकर कपिलवस्तु तक गणराज्यों का एक छोटा सा गुच्छा गंगा से तराई तक फैला हुआ था। गौतम बुद्ध शाक्यगण में उत्पन्न हुए थे। लिच्छवियों का गणराज्य इनमें सबसे शक्तिशाली था, उसकी राजधानी वैशाली थी। लिच्छवी संघ नायक महाराजा चेटक थे। महाराजा चेटक की ज्येष्ठ पुत्री का नाम 'प्रियकारिणी त्रिशला' था जिनका विवाह वैशाली गणतंत्र के सदस्य एवं क्षत्रिय 'कुण्डग्राम' के अधिपति महाराजा सिद्धार्थ के साथ हुआ था और इन्हीं के यहाँ 599 ईसापूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बालक वर्धमान (महावीर स्वामी) का जन्म वज्जिकुल में हुआ जिसने अनेकान्त-स्याद्वाद सिद्धांत के माध्यम से पूरे विश्व को अच्छे लोकतंत्र की शिक्षा प्रदान कर एक नई दिशा प्रदान की। भगवान महावीर के सिद्धांत, शिक्षाएं, संविधान आज भी अत्यंत समीचीन और प्रासंगिक हैं। गणतंत्र दिवस हमारे संविधान में संस्थापित स्वतंत्रता, समानता, एकता, भाईचारा और सभी भारत के नागरिकों के लिए न्याय के सिद्धांतों को स्मरण और उनको मजबूत करने का एक उचित अवसर है, क्योंकि हमारा संविधान ही हमें अभिव्यक्ति की आजादी देता है। अगर देश के नागरिक संविधान में प्रतिष्ठापित बातों का अनुसरण करेंगे तो इससे देश में अधिक लोकतांत्रिक मूल्यों का उदय होगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के प्रत्येक नागरिक को भारतीय संविधान और गणतंत्र के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरानी चाहिए और देश के समक्ष आने वाली चुनौतियों का मिलकर सामूहिक रूप से सामना करने का प्रण लेना चाहिए। साथ-साथ देश में शिक्षा, समानता, सदभाव, पारदर्शिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। जिससे कि देश प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ सके।

खर्राटे मारना कैसे ठीक करें?

मरीज की जुबानी

खर्राटे कई कारण से आते हैं और सभी ठीक हो सकते हैं। इनमे से अधिकांश तो खर्राटिबाज की पत्नी की सेहत के लिए खतरनाक होते हैं क्योंकि बेचारी को बिना किसी कसूर के सोने को नहीं मिलता। पर एक प्रकार के खर्राटे स्वयं खर्राटिबाज के लिए घातक हो सकते हैं। इनकी ध्वनि बहुत ऊंची होती है और कुछ देर रेल के इंजन का आभास करवा कर अचानक बंद हो जाते हैं। मुंह खुला रह जाता है और सांस बंद हो जाती है। मरीज सोया हुआ ही चला जाता है। इसका पता चलाने के लिए एक मशीन की सहायता ली जाती है और खर्राटों की आवाज रिकार्ड की जाती है जिसके लिए एक टैक्नीशियन रात भर आपके पास बैठता है। उस रिकार्डिंग को सुन कर हृदय रोग विशेषज्ञ बताया है कि यह उस प्रकार के खर्राटे हैं भी या नहीं। एक बार पहचान हो जाने पर इनका इलाज हो जाता है। बाकी सभी खर्राटे ईएनटी सर्जन अलग अलग इलाज से ठीक कर देते हैं। मुझे (मरीज) यह समस्या थी। पास के जनरल प्रेक्टिशनर ने कहा कि मुझे हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। उन महाशय ने उपर्युक्त रिकार्डिंग वाला उपाय बताया और टेक्नीशियन का नंबर भी दे दिया। इसके संभवतः 8000/– रुपए लगते। मैंने मना कर दिया क्योंकि उस समय कोविड फैला हुआ था और वेक्सीन नहीं बना था। अतः मैं ईएनटी सर्जन के पास गया। उन्होने मुंह से रेलगाड़ी चलाकर और फिर अचानक रोक कर मेरी पत्नी से पूछा कि ऐसे खर्राटे होते हैं क्या? मेरी पत्नी ने कहा कि नहीं। ऐसे नहीं होते। तो फिर आपको कोई चिंता नहीं होनी चाहिए। आप तो सुबह शाम दोनों समय सेंधा नमक मिले गुनगुने पानी से जलनेति करें और भाप लें। मैंने ऐसा ही किया और मुझे दो तीन दिन में ही आराम मिल गया। अब मुझे तीन वर्ष होने को आये, खर्राटे फिर नहीं आये। अब मैं सोओ और सोने दो में विश्वास करने लगा हूं।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय
राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

जीवन में-यूं ही कुछ नहीं होता...कोई ना कोई वजह तो जरूर होती है : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। आज के जीवन की सबसे बड़ी सफलता है हमारा दृष्टिकोण। हमारा मस्तिष्क शरीर रूपी मन्दिर का उत्तुंग कलश है। कलश की सुरक्षा करना ही शरीर का धर्म है। हमारा मस्तिष्क उस तरह से प्रतिक्रिया देता है जैसा आप सोचते और देखते हैं। ऐसे में मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। आप शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहें उसके लिए कुछ बातें :-

(1) **दिन के रूटीन में सुधार लायें:** जो लोग समय से उठते-सोते हैं, खाते-पीते हैं, और नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं, वे शारीरिक और मानसिक रूप से ज्यादा स्वस्थ रहते हैं। 6-8 घन्टे बिना नीद की गोली खायें, विश्राम करें। क्योंकि नींद की कमी हमारे मस्तिष्क और शरीर को अस्वस्थ कर देती है।

(2) **खुद को खुद स्वीकार करें:** आप जैसे हैं, वैसे अपने आपको स्वीकार करें। किसी के बनने जैसी नकल, आपका जीना हराम कर सकती है। स्वयं से प्रेम करें, स्वयं को बेहतर बनाने का रोज प्रयास करें। जीवन के निर्णय सोच समझ कर लें और दूसरों को खुश करने की कोशिश कभी ना करें।

(3) **आत्म विश्वास सबसे बड़ी सफलता है :** ये सच है कि जिन्दगी सुख दुःख का मिश्रण है। ऐसा कोई पुरुष और महापुरुष नहीं हुआ, जिसके जीवन में कोई दुःख तकलीफ ना आई हो। सबका समय एक सा नहीं रहता - प्रेम में धोखा, व्यापार में असफलता, अर्थ की तंगी, रिश्तों का टूटना आदि इतनी बड़ी बात नहीं है कि हम ज़िन्दगी से ही मुख मोड़ लें।

(4) **ऊंची सोच और दूर दृष्टि:** सब कुछ वही है सिर्फ सोच और दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। हमारी सोच और नजरिया ही हमारे जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण करती है। इसलिए कुछ भी ऐसा साहित्य पढ़ें जो आपको प्रोत्साहित करे, विचारों को प्रभावित और चेतना को प्रकाशित करे। जितना समय आप साहित्य, सकारात्मक सोच के माहोल में गुजारेंगे, उतना ही सेहत के लिये बेहतर होगा ।

(5) **चेहरा आदमी का और जीवन भेड़िया का जी रहे हैं :** आपकी भावनाएं ही मनुष्य होने की निशानी है। इनका सन्तुलन होना बहुत जरूरी है। असन्तुलित भावनायें सिर्फ सम्बन्धों को खराब नहीं करती बल्कि आपके जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। इसलिए आप अपने मन की बात को दर्पण के सामने शेयर करें या रोज की डायरी पर उकेरे, जिससे मन की शान्ति बरकरार रहे।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

हर करम अपना करेंगे ऐ वतन तेरे लिए...

देशभक्ति गीतों के नाम पर सुरों की मंडली का पहला कार्यक्रम आयोजित

उदयपुर. शाबाश इंडिया

झीलों की नगरी में संगीत प्रेमियों की ओर से शुरू किए गए सुरों की मंडली का पहला कार्यक्रम सीपीएस स्कूल में आयोजित हुआ। पहला दिन देशभक्ति गीतों को समर्पित रहा। सुरों की मंडली के फाउंडर (राजस्थान लाइन प्रोड्यूसर) मुकेश माधवानी ने बताया कि कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों और कलाकारों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कलाकारों ने कई संगीतमय प्रस्तुतियों से देश के प्रति अपनी भक्ति भाव को प्रकट किया। मुकेश माधवानी ने बताया कि सुरों की मंडली का अगला कार्यक्रम फरवरी माह के अंतिम रविवार को आयोजित होगा जिसमें कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस अवसर पर भूपेंद्र पवार, डॉ. आनन्द श्रीवास्तव, प्रदीप कालरा, सूर्यप्रकाश सुहालका, मनमोहन भटनागर , भव्यल मेघवाल, सर्वेश शर्मा, लक्ष्य मुंद्रा, यश जैन, भव्यन खोखावत, अरुण चौबीसा, आयुष औदिच्य आदि मौजूद थे। रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

भामाशाह व प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजकीय प्राथमिक विद्यालय हाज्यावाला कल्याणपुरा सांगानेर, जयपुर में वार्षिकोत्सव में भामाशाह व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति गीतेश कुमारी प्रधानाचार्या महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय, विशिष्ठ अथिति विनोद टाटीवाल अध्यक्ष जेके फाउण्डेशन, गुल्लाराम चौधरी समाजसेवी, श्योजीराम बेनीवाल, पूर्व एस.एम.सी. अध्यक्ष हंसराज बैरवा रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री नरेन्द्र - मधु जैन

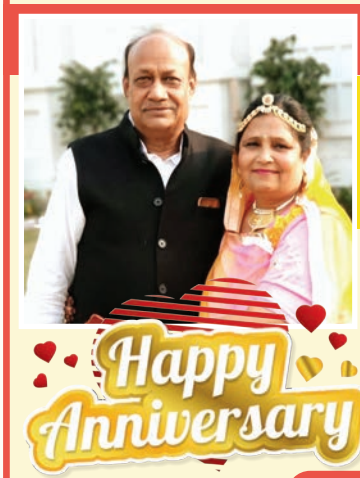

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के निवर्तमान सचिव

की वैवाहिक वर्षगांठ
(27 जनवरी) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल
कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

राजा चक्रवर्ती की निकली ऐतिहासिक शोभा यात्रा

शोभा यात्रा में हजारों श्रावकों ने की शिरकत

मदनगंज किशनगढ़. शाबाश इंडिया। आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में मदनगंज किशनगढ़ में चल रहे श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव में आज चोथे दिन तप कल्याणक महोत्सव में फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा,चोरू, नारेड़ा, मंडावरा, मंडावरी, मेन्दवास, नीमेडा, माधोराजपुरा, रेनवाल, पीपला,गोंहदी तथा लदाना, से सेंकड़ों श्रृद्धालुओं ने राजा चक्रवर्ती की शोभायात्रा में शिरकत कर तप कल्याणक महोत्सव में सहभागिता निभाते हुए उपस्थिति दर्ज कराई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अवगत कराया कि कार्यक्रम में विमल कुमार, महेंद्र कुमार,समर्थ कुमार पाटनी परिवार (उरसेवा वाले) मदनगंज किशनगढ़ वालों ने कार्यक्रम में राजा चक्रवर्ती बनकर अक्षय पुण्यार्जन प्राप्त किया। कार्यक्रम में उनके निवास से पांच हाथियों बग्गीयों , में बेन्डबाजों के साथ चक्रवर्ती परिवार के सभी परिजनों ने बेठकर भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यकम इससे पूर्व प्रातः श्रीजी का अभिषेक शांति धारा बाद अष्टद्रव्यों से सामुहिक पूजन हुई, शोभायात्रा बाद राज्याभिषेक, वैराग्य दर्शन, तीर्थंकर महाराजा का गृह त्याग तथा दीक्षा विधि संस्कार तथा तप कल्याणक की पूजा हुई।

निरू छाबड़ा ने गणतंत्र दिवस पर चावल पर लिख वंदे मातरम की कृति तैयार की

जयपुर. शाबाश इंडिया

चावल पर सूक्ष्म लेखन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित कलाकार निरू छाबड़ा ने गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए चावल पर लिख वंदे मातरम कृति तैयार की है। नीरू छाबड़ा की कलाकृतियां देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री अनेक राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, एवं कलाकारों ने देख पंजिका पुस्तिका में हस्ताक्षर करते हुए शुभकामनाएं दी है ।

चावल पर सूक्ष्म लेखन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित कलाकार निरू छाबड़ा ने गणतंत्र दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए चावलो पर वंदे मातरम लिख कृति तैयार की है। इसमें उन्होंने लिखा है:-

वन्दे मातरं वन्दे मातरम् सुजलां सुफलां मलयज शीतलाम् शस्य श्यामलां मातरं वन्दे मातरम्, सुब्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम् पुल्ल कुसुमित द्रुमदलशोभिनीम् सुहासिनीं सुमधुर भाषिनीम् सुखदां वरदां मातरं वन्दे मातरम्,

निरू छाबड़ा की कलाकृतियां देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, अनेक राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं कलाकारों ने देख पंजिका पुस्तिका में हस्ताक्षर करते हुए शुभकामनाएं दी है ।

क्षेत्र में एक अनूठा विद्यालय है जो संस्कार के साथ संचालित होता है: चंद्रशेखर साबू भामाशाह

आदर्श विद्या मंदिर नावा में भारत माता पूजन कार्यक्रम हुआ संपन्न

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी । उपखंड मुख्यालय स्थित आदर्श विद्या मंदिर नावां शहर में भारत माता पूजन का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उद्योगपति भामाशाह चंद्रशेखर साबू, अध्यक्ष गूदरमल लड्ढा , मुख्य वक्ता अशोक कुमार जिला प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ डीडवाना, जिला समिति उपाध्यक्ष रमेश बियानी, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा, मंच की शोभा बढ़ा रहे थे। मुख्य अतिथियों का परिचय तुलसीराम राजस्थानी ने करवाया । प्रतिवेदन प्रधानाचार्य राम प्रसाद कुमावत ने प्रस्तुत किया। विद्यालय के सभी भैया बहनों के द्वारा शारीरिक, सांस्कृतिक, डंबल्स दौड़, बोरी दौड़, पिरामिड, देशभक्ति एकांकी, राजस्थानी घूमर नृत्य, सोने री चिड़कली पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अशोक कुमार ने विद्या भारती विद्यालयों की विशेषता एवं भैया बहनों के द्वारा किये जाने वाले निधि संग्रह समाज के किस क्षेत्र में काम आता है के बारे में अवगत कराया। मुख्य अतिथि उद्योगपति भामाशाह चंद्रशेखर साबू ने कहा की क्षेत्र में यह एक अनूठा विद्यालय है जो संस्कार के साथ संचालित होता है मेरा सदा ही लगाव रहा है। मैं इस अवसर पर 51000 रू की सहयोग राशि विद्यालय को सप्रेम भेट करता हू। कार्यक्रम के समापन पर वर्ष भर में आयोजित प्रतियोगिताओं योगासन, कबड्डी, कृष्ण बनो प्रतियोगिता एवं झांकी सजाओ प्रतियोगिता का पुरस्कार सम्मान समारोह किया गया मंच के द्वारा सभी को पुरस्कृत किया गया । इस दौरान पत्रकार मनोज गंगवाल द्वारा संपूर्ण विद्यालय परिवार व प्रबंध कमेटी की सराहना करते हुए विद्यालय में बच्चों में दिए जा रहे संस्कारों की बात करते हुए विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय की जमकर प्रशंसा की व संपूर्ण विद्यालय परिवार व प्रबंध कमेटी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अतिथियों के साथ आदर्श विद्या मंदिर परिवार के प्रधानाचार्य रामप्रसाद कुमावत का माला साफा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंटकर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा ने आये हुए सभी अतिथियों, पत्रकार बंधुओं, भामाशाह, गणमान्य नागरिक बंधुओं, एवं पधारी हुई मातृशक्ति का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया कि वे सभी विद्यालय का कार्यक्रम देखने के लिए पधारे अंत में भारत माता की आरती के साथ पुष्प अर्पित कर सभी ने कार्यक्रम में अपनी भूमिका निभाई। इस दौरान समाजसेवी भामाशाह लक्ष्मीनारायण मंत्री, बजरंग अग्रवाल, रमेश झाझरी, सुभाष, मदनलाल पीपलोदा, कालूराम माली, अशोक पारीक अटल, प्रदीप गौतम, प्रकाश योगी, नटवर गौड, गोपाल महाराज, लुकमान शाह, बाबूलाल बरवड, घासीलाल सोनी, जगदीश अग्रवाल, सीताराम जांगिड़, एडवोकेट राजेश कुमावत, पत्रकार मनोज गंगवाल, कैलाश कुमावत, गोपाल कुमावत आदि गणमान्य नागरिकों सहित विद्यालय स्टाफ आशीष कुमार, नरेंद्र कुमार, भंवर लाल स्वामी, भंवर लाल जाखड, प्रियंका कुमावत, सीमा शर्मा, पूजा कुमावत, भूपेंद्र टाक मौजूद रहा ' कार्यक्रम का मंच संचालन बहन चेतना जांगिड़ व प्रबंध कमेटी के कोषाध्यक्ष तुलसीराम राजस्थानी ने किया।

जैन सोश्यल ग्रुप सिद्धा ने बच्चों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जे एस जी सिद्धा ने बच्चों को भोजन कराया। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार सीमा पाटनी ने बताया कि सिद्धा परिवार के दंपति सदस्य मोनेश सोनिया गंगवाल के वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष में सायकालीन आंचल बालिका गृह में बच्चों को भोजन कराया गया। उन्होने बताया कि बच्चों को भोजन कराने और उनके साथ बैठकर बात करने एवं समय व्यतीत करने में मन और आत्मा को बहुत खुशी मिलती है।

प्रताप नगर मे श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 27 जनवरी से

जयपुर. शाबाश इंडिया। धर्म नगरी जयपुर के दक्षिणी भाग प्रताप नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में कल दिनांक 27 जनवरी से भव्य श्री मज्जिनेन्द्र शान्तिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ होने जा रहा है। पंचकल्याणक समिति के सहयोजक प्रमोद जैन बावड़ी के अनुसार उपाध्यायों श्री ऊर्जन्त सागर जी महाराज के पावन सानिध्य एवं गणिनी आर्यिका भरतेश्वरीमति माताजी ससंघ एवं गणिनी आर्यिका विजयामति माताजी के सानिध्य में होने वाले महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 7 बजे गुरू आज्ञा, प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण, दिग्बंधन, भमिशुद्धि, जाप्य से होगा तदउपरांत विशाल घट यात्रा के साथ श्रीजी की शोभा यात्रा निकाली जायेगी। आयोजन समिति अध्यक्ष कमलेश जैन के अनुसार घट यात्रा में 1008 महिलायें मंगल कलश लेकर चलेगी, घट यात्रा में बैण्ड, बग्गी सहित सम्पूर्ण लवाजमा रहेगा। शोभा यात्रा श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मन्दिर प्रताप नगर सैक्टर 8 से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होती हुई पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव स्थल पर पहुँचेगी। जहाँ महिलाओं द्वारा लाये गये घटों से मण्डप शुद्धि एवं वेदि शुद्धि होगी, तदउपरांत झंडारोहण का कार्यक्रम होगा। समिति मंत्रि बाबूलाल ईटून्दा ने बताया कि दोपहर को मण्डल आराधना पूजन व गुरू भक्ति होगी।